2025

HINDI

(Major)

Paper : HIN0500404

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) उत्पत्तिवाद के प्रवर्तक आचार्य का नाम बताइए।

(ख) 'रौद्र' रस का स्थायी भाव क्या है?

(ग) 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' —यह किसकी उक्ति है?

(घ) आचार्य कुंतक ने किस काव्य सिद्धांत की स्थापना की थी?

(ङ) 'उत्प्रेक्षा' शब्दालंकार है या अर्थालंकार?

(च) आचार्य आनंदवर्धन द्वारा लिखित ध्वनि संबंधी ग्रंथ का नाम लिखिए।

(छ) "शीतल ज्वाला जलती है।" इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(ज) 'रीतिरात्मा काव्यस्य' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) संचारी भाव किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(ख) रसनिष्पत्ति के संबंध में आचार्य भरतमुनि द्वारा दी गयी परिभाषा लिखिए।

(ग) काव्य में अलंकार का क्या स्थान है?

(घ) ध्वनि काव्य के कितने भेद हैं और क्या-क्या?

(ङ) रीति के तीन गुण क्या-क्या हैं?

(च) किन्हीं चार स्थायी भावों के नाम लिखिए।

(छ) उपमा अलंकार के दो अंगों के नाम लिखिए।

(ज) किन्हीं दो काव्य हेतुओं के नाम लिखिए।

(झ) 'रीति' शब्द का व्युत्पत्तिपरक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ञ) वक्रोक्ति सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य कौन हैं? उनके द्वारा लिखित वक्रोक्ति संबंधी ग्रंथ का नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) रस के साधारणीकरण का क्या तात्पर्य है?

(ख) गुणीभूत व्यंग्य काव्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) रीति संप्रदाय का सामान्य परिचय दीजिए।

(घ) संघटना और उदाहरण के साथ अतिशयोक्ति अलंकार पर प्रकाश डालिए।

(ङ) साधारणीकरण के स्वरूप पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

(च) अलंकार सिद्धांत का संक्षिप्त ऐतिहासिक परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(छ) औचित्य को परिभाषित कीजिए।

(ज) अभिधा शब्दशक्ति का विवेचन कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) रस के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए इसके अंगों का विवेचन कीजिए।

(ख) काव्य प्रयोजन से क्या अभिप्राय है? आचार्य मम्मट द्वारा दिए गए काव्य प्रयोजनों का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

(ग) अलंकार की परिभाषा देते हुए निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों का उदाहरण सहित परिचय दीजिए :

अनुप्रास ; रूपक ; श्लेष ; यमक ; विरोधाभास।

(घ) ध्वनि का आशय स्पष्ट करते हुए एक प्रमुख संप्रदाय के रूप में ध्वनि संप्रदाय के महत्त्व का आकलन कीजिए।

(ङ) वक्रोक्ति किसे कहते हैं? कुंतक सम्मत वक्रोक्ति के प्रमुख भेदों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

★★★